विधान सभा प्रश्न

विभाग का नाम	:	**अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत**
प्रश्न संख्या तारांकित	:	**1439**
उत्तर की तिथि	:	**26–08–2019**
विषय	:	**बिजली प्रोजैक्ट**
प्रश्नकर्त्ता का नाम	:	**श्री जिया लाल (भरमौर)**
सम्बन्धित मंत्री	:	**मुख्य मन्त्री**

	प्रश्न		**उत्तर**
(क)	यह सत्य है कि पांगी घाटी में निर्मित हाइड्रो इलैक्ट्रिक पॉवर प्रोजैक्ट नामतः सेचू, हिलौर, साहली का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका हैं;		**(क), (ख), (ग) व (घ):** **सूचना सभा पटल पर रख दी गई है।**
(ख)	यह भी सत्य है कि वर्तमान में यह सभी हाईड्रो इलैक्ट्रिक पॉवर प्रोजैक्ट बन्द पड़े हैं; यदि हाँ, तो कारण;		
(ग)	सरकार क्या इन हाईड्रो इलैक्ट्रिक पॉवर प्रोजैक्ट को जनहित में अन्य Agencies को handover करने पर विचार रखती है; यदि हाँ, तो कब तक; और		
(घ)	यह सत्य है कि पांगी घाटी में निर्मित किलाड़ 300 KV, सुराल 100 KV, साच 900 KV व पुर्थी 100 KV पावर हाऊस जीर्ण–शीर्ण अवस्था में हैं; यदि हाँ, तो सरकार इनके जीर्णोंद्धार हेतु क्या पग उठा रही है?		

तारांकित प्रश्न संख्या 1439 के भाग (क), (ख), (ग) व (घ) से सम्बन्धित सूचनाः

(क) जी हां। सेचू (15X6) किलोवाट, हिलौर (2X10) किलोवाट, साहली (2X10) किलोवाट के Portable Hydel Generator Sets सेचू घाटी में हिमऊर्जा द्वारा वर्ष 1997–98 में स्थापित किये गये थे।

(ख) जी हां। वरिष्ठ अधिशासी अभियन्ता, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड पांगी द्वारा दिनांक 28/06/2011 को हिमऊर्जा को सूचित किया गया कि सेचू घाटी में LT लाईन विद्युत बोर्ड द्वारा बिछाई गई है जिसके कारण आगामी खतरों से बचने के लिए इन Portable Hydel Generator Sets को बंद कर दिया जाए। इसके उपरांत विद्युत बोर्ड द्वारा दिनांक 27/09/2013 को सूचित किया गया कि इन Portable Hydel Generator Sets का बिजली उत्पादन बंद कर दिया जाए। इसके अतिरिक्त इन Portable Hydel Generator Sets के कलपूर्जे देश में उपलब्ध न होने के कारण इन की मुरम्मत तथा रख–रखाव असम्भव था। वर्ष 2013–14 में यह Portable Hydel Generator Sets बंद कर दिए गए। तथापि इस घाटी की ऊर्जा मांग को पूरा करने हेतु हिमऊर्जा द्वारा सेचू 100 किलोवाट क्षमता की लघु जल विद्युत परियोजना की स्थापना हेतु मामला नवीन एवम नवीकरणीय ऊर्जा मन्त्रालय, भारत सरकार से उठाया गया। नवीन एवम नवीकरणीय ऊर्जा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा इस परियोजना की स्थापना के लिए दिनांक 21–12–2016 को मु0–31,25,000/–रूपये स्वीकृत किए गए परन्तु स्थानीय लोगों द्वारा भूमि उपलब्ध नहीं करवाने के कारण इस लघु जल विद्युत परियोजना को स्थापित नहीं किया जा सका तथा स्वीकृत राशि दिनांक 28–05–2018 को हिमऊर्जा द्वारा भारत सरकार को वापस कर दी गई।

(ग) जी नहीं।

(घ) जी हां, यह सत्य है कि पांगी घाटी में निर्मित किलाड़ 300 KV, सुराल 100 KV, साच 900 KV, पुर्थी 100 KV जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है। परन्तु इन सभी परियोजनाओं में बिजली का उत्पादन हो रहा है। इन चारों परियोजनाओं की detailed inspection विद्युत बोर्ड की जनरेशन विंग द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति से करवाई गई, जिसमें यह पाया गया कि इनमें काफी मुरम्मत का काम होना है। इनके जीर्णोंद्धार के लिए DPR बनाई जा रही है तथा वित्तोपोषण के बाद जल्द ही इन परियोजनाओं की मुरम्मत का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।